Unit 1. Semester-1. MJC.

## भू आकृति विज्ञान Geomorphology.

भू आकृति विज्ञान को परिभाषित करते हुए भू आकृति के अध्ययन के तरीके एवं उपागमों की चर्चा कीजिए।

भू-आकृति विज्ञान भौतिक भूगोल की महत्वपूर्ण उपशाखा है यह भू, आकृति एवं विज्ञान नामक तीन शब्दों से मिलकर बना है। जिसमें 'भू' से तात्पर्य पृथ्वी या भू होता है, आकृति से तात्पर्य स्वरूप तथा विज्ञान से तात्पर्य व्यवस्थित तार्किक विवेचना होता है इस प्रकार हम कह सकते हैं कि पृथ्वी के स्वरूपों की व्यवस्थित तार्किक विवेचना ही भू आकृति विज्ञान है। यह अंग्रेजी के Geomorphology का हिंदी अर्थ है। Geomorphology ग्रीक भाषा के Ge, morpho एवं logus से बना है जिसका अर्थ क्रमशः पृथ्वी, रूप एवं वर्णन करना है अर्थात पृथ्वी का वर्णन करना ही ज्योमोरफोलॉजी है।

पृथ्वी के स्वरूप की व्यवस्थित तार्किक विवेचना भू-आकृति विज्ञान है। इसमें चट्टानों की उत्पत्ति, जीवन, पृथ्वी की आंतरिक संरचना, ज्वालामुखी उद्गार, भूकम्प, पर्वत निर्माण प्रक्रिया, भूस्खलन निक्षेपण, जल के अपरदनात्मक कार्य, नदी, हिमानी के निक्षेपात्मक कार्यों का विश्लेषण किया जाता है।

प्रत्येक विज्ञान की अपनी मूलभूत संकल्पनाएं होती हैं जिनके आधार पर वह विकास की ओर उन्मुख होता है। विज्ञान की गतिशीलता के साथ-साथ इन संकल्पनाओं में भी परिवर्तन एवं परिमार्जन होता रहता है। थॉर्नबरी महोदय ने ऐसी दस संकल्पनाओं का वर्णन किया है।

लोबेक महोदय के अनुसार . अमेरिकन भूगोलवेत्ता लोबेक ने भू-आकृति विज्ञान को पृथ्वी की धरातलीय स्वरूपों का अध्ययन माना । उनके अनुसार "भू-आकृति विज्ञान भूपटल के धरातलीय लक्षणों का विज्ञान है ।"

वॉन एन्जेला — वॉन एन्जेला ने इसकी विषय वस्तु के अन्तर्गत पृथ्वी की आकृति तथा सभी प्रकार के उच्चावचों को सम्मलित किया . उन्होंने कहा "भू-आकृति विज्ञान केवल स्थलस्वरूपों का विज्ञान ही नहीं, अपितु इसके अन्तर्गत समस्त पृथ्वी की आकृति, विन्यास तथा इसकी बड़ी इकाइयों की व्यवस्था का भी अध्ययन होता है ।

स्ट्राहलर . स्ट्राहलर ने कहा "भू-आकृति विज्ञान सभी प्रकार के स्थलरूपों की उत्पत्ति, उनके व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध विकास की व्याख्या करता है तथा यह भौतिक भूगोल का एक प्रमुख अंग है । उन्होंने बताया कि भू आकृति विज्ञान में स्थलीय धरातल की आकृतियों के साथ सागरों एवं महासागरों के स्थलरूपों को भी सम्मिलित करने पर बल दिया ।

थार्नबरी के अनुसार - भू आकृति विज्ञान स्थलरूपों का विज्ञान है तथा यह इसी रूप में प्रयुक्त होगा यद्यपि इसमें हमें अन्तः सागरीय आकृतियों को भी सम्मिलित करना चाहिए ।

वॉरसेस्टर के अनुसार - "भू-आकृति विज्ञान पृथ्वी के उच्चावचन सम्बन्धी लक्षणों का व्याख्यात्मक वर्णन है । इनके अनुसार इसमें पृथ्वी के उच्चावचन की आकृतियों का ही वर्णन नहीं होता अपितु इन आकृतियों की वैज्ञानिक विवेचना भी की जाती है ।